ECHO OF HIS CALL

बुलावे की प्रतिध्वनि

HINDI

ECHO OF HIS CALL 1969-2019 GOLDEN JUBILEE

(ECHO GROUP)

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor: Dorothy S. Thomas

Vol. XXVII | YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, APRIL 2022 | No.5

पवित्र बाइबल!

इन वचनों को याद करें परमेश्वर की स्तुति हो

१ यूहन्ना ४:७-१४

७ हे प्रियो, हम आपस में प्रेम रखें; क्योंकि प्रेम परमेश्वर से है। जो कोई प्रेम करता है, वह परमेश्वर से जन्मा है और परमेश्वर को जानता है।

८ जो प्रेम नहीं रखता वह परमेश्वर को नहीं जानता, क्योंकि परमेश्वर प्रेम है।

९ जो प्रेम परमेश्वर हम से रखता है, वह इस से प्रगट हुआ कि परमेश्वर ने अपने एकलौते पुत्र को जगत में भेजा है कि हम उसके द्वारा जीवन पाएँ।

१० प्रेम इस में नहीं कि हम ने परमेश्वर से प्रेम किया, पर इस में है कि उसने हम से प्रेम किया और हमारे पापों के प्रायश्चित के लिये अपने पुत्र को भेजा।

११ हे प्रियो, जब परमेश्वर ने हम से ऐसा प्रेम किया, तो हम को भी आपस में प्रेम रखना चाहिए।

१२ परमेश्वर को कभी किसी ने नहीं देखा; यदि हम आपस में प्रेम रखें, तो परमेश्वर हम में बना रहता है और उसका प्रेम हम में सिद्ध हो गया है।

१३ इसी से हम जानते हैं कि हम उसमें बने रहते हैं, और वह हम में; क्योंकि उसने अपने आत्मा में से हमें दिया है।

१४ हम ने देख भी लिया और गवाही देते हैं कि पिता ने पुत्र को जगत का उद्धारकर्ता करके

यीशु का क्रूस!

भाई एम. पौलराज

THE CROSS OF JESUS!

"क्योंकि क्रूस की कथा नाश होनेवालों के लिये मूर्खता है, परन्तु हम उद्धार पानेवालों के लिये परमेश्वर की सामर्थ्य है" (१ कुरिन्थियों १:१८)।

एक समय क्रूस को शाप का प्रतीक माना जाता था। परंतु यीशु मसीह के क्रूस पर चढ़ाए जाने के कारण अब वह श्राप का प्रतीक नहीं रहा परंतु उद्धार और प्रेम का प्रतीक है। आज लाखों पुरुष और स्त्रियां अपने गले में प्रेम और आशीष के प्रतीक के रूप में क्रूस धारण करते हैं। बाइबल कहती है, "जो कोई काठ पर लटकाया जाता है वह शापित है" (गलातियों ३:१३)। परंतु यीशु मसीह ने उसे उद्धार और प्रेम का चिन्ह बना दिया! यीशु ने यूं ही क्रूस पर मरने का चुनाव नहीं किया, परंतु यहूदियों और रोमियों ने यीशु के साथ अपराधी के रूप में बर्ताव करते हुए यह सजा उस पर लादी।

संसार कैसे देखता है?

क्रूस पर यीशु की मृत्यु को संसार कैसे देखता है? बीसवीं सदी के ब्रिटिश कवि और तत्वज्ञानी टी.एस इलियट ने कहा, क्रूस सर्वश्रेष्ठ बलिदान का प्रतीक है। यह समस्त संसार के लिए प्रतीक है। क्रूस हर समय के लिए संसार को दी गई विरासत है। भारत के महान तत्वज्ञानी डॉ एस. राधाकृष्णन ने कहा, क्रूस दुख और क्लेश का प्रतीक है। १५वीं सदी के कवि और तत्वज्ञानी थॉमस ए. कैंपिस ने अपनी पुस्तक *इमिटेशन ऑफ क्राइस्ट* में कहा, "क्रूस उद्धार है, क्रूस जीवन है, क्रूस हमारे दुश्मनों से सुरक्षा है, क्रूस स्वर्ग की अच्छाई देता है। क्रूस भलाई का शिखर है और क्रूस पवित्रता की परिपूर्णता है।" पौलुस के अनुसार, उद्धार पाए हुओं के लिए वह परमेश्वर की सामर्थ है।

कई सांसारिक लोग यह देखते हैं कि क्रूस का संदेश मूर्खता है। परंतु हम उद्धार पाए हुओं के लिए वह परमेश्वर की सामर्थ है। हम क्रूस पर मनन करके प्रेरणा पाते हैं।

क्रूस पर चढ़ाए जाने की भयावहता

यीशु जानता था कि वह क्रूस पर मरने वाला है क्योंकि अपराधियों को यही सजा दी जाती थी। यीशु को कट्टर यहूदियों और रोमियों द्वारा अपराधी माना गया था। यहूदियों के लिए वह व्यवस्था के खिलाफ था और उनकी पुरानी परम्परा के लिए खतरा था। रोमी लोग उनके निरंतर प्रभुत्व के लिए यहूदियों को शांत करना चाहते थे। यीशु उसके क्रूस पर चढ़ाए जाने से पहले ही अपनी मृत्यु के बारे में जानता था।

पृष्ठ 3 में क्रमशः...

ECHO OF HIS CALL - (1969-2019 GOLDEN JUBILEE YEAR)

from your dearly beloved brother...

यदि तू विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी। (यूहन्ना 11:40)

OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

CHIEF EDITOR
Angeline Selvakumari Henry, M.A., M.Ed.

MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.

ADMINISTRATION
Bro. N. Prakasam, M.A., General Manager

EDITORIAL BOARD
Sis. Jesy Veena Sam
Bro. M. Paulraj, M.A., B.Ed.
Sis. Serena Bevin, M.A., M.Phil., B.Ed.

EDITOR, PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+91) 98410 71852, 95661 31858

E.mail ID
sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in

WEBSITES
www.echoofhiscall.org
www.stpaulsmatriculation.com

YOUTUBE CHANNEL
Echo of His Call

प्रभु में अत्यंत प्रिय,

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम में हम आपका अभिवादन करते हैं।

आपकी निरंतर प्रार्थना और सहायता के कारण हमारी सारी सेवकाइयां, विशेषकर हमारी प्रार्थना सेवकाई, १६ भाषाओं में मासिक पत्रिका, कलीसियाई सेवाएं, बाइबल कॉलेजेस, ऑन लाईन हिन्दी बाइबल कॉलेज, पत्राचार पाठ्यक्रम, गॉस्पल प्रिंटिंग प्रेस, बच्चों की सेवकाई, अस्पताल सेवकाई, और ग्रामीण हायस्कूल सुचारू रूप से संचालित किए जा रहे हैं। उसकी सारी दया के लिए हम परमेश्वर की स्तुति करते हैं।

हाल ही के समयों में, हमारे सुसमाचार कार्य के लिए और हमारे सुसमाचार कार्यकर्ताओं को भी कई तरह से विरोध और रूकावटों का सामना करना पड़ रहा है। जब हम ध्यान से देखते हैं तब हम जानते हैं कि जो लोग ये परेशानियां खड़ी करते हैं उन्होंने कलीसियाओं से बहुत सहायता पाई है और अपनी छोटी उम्र में मसीही संस्थाओं में अध्ययन किया है। ऐसे मसीही स्कूलों और कॉलेजों का जहां उन्होंने अध्ययन किया नाम लेते हुए वे घमण्ड भी महसूस करते हैं। परंतु अब वे मसीही धर्मदाय संगठनों और कलीसियाओं से नफरत करते हैं।

इस नफरत के पीछे क्या कारण है? जब हम गहराई से देखते हैं, तब हम समझते हैं कि इसका दोष परमेश्वर की सेवकों के रूप में हम पर आता है और उन दिनों के शिक्षाविद उन्हें ईमानदार होने का और दूसरों पर तरस खाने का महत्व नहीं समझा सके। उन्होंने सच्चे समर्पण के साथ भी काम नहीं किया!

मैं इस बात को एक उदाहरण से समझाना चाहूंगा। जिस सरकारी हायस्कूल में मेरा अध्ययन हुआ, वहां, मिस्टर थॉमस नाम के एक अध्यापक थे जो कॅथलिक कलीसिया के सदस्य थे और दूसरे शिक्षक जिनका नाम मि. जॉनसन था वे दूसरी मसीही कलीसिया के सदस्य थे। उन्होंने अपनी शिक्षा प्रणाली में, दिलचस्पी और प्रतिभा में उच्च आदर्श प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने काम, पहरावे और तौर तरीकों से उत्तम उदाहरण प्रस्तुत किया। कई विद्यार्थियों पर उनके गुणों की छाप पड़ी और वे उन शिक्षा संस्थाओं से चरित्रवान व्यक्ति बनकर निकले जिनमें परमेश्वर का सच्चा भय था। मैं भी उनमें से एक हूं।

दूसरी ओर, हम कई लोगों को देखते हैं जिन्होंने मसीही स्कूलों और कॉलेजों में अध्ययन किया और कुछ लोगों ने कुछ सहायता पाने के लिए मसीही कलीसियाओं में भाग लिया। कइयों ने मसीह अस्पतालों से प्राप्त मेडिकल उपचार के द्वारा नया जीवन प्राप्त किया, परंतु अब वे परमेश्वर के वचन और परमेश्वर के सेवकों से नफरत करते हैं और उनका विरोध करते हैं! इसका कारण मसीहियों, मसीही कार्यकर्ताओं और मसीही शिक्षाविदों में पाई जाने वाली कमी। इसका अधिकांश दोष हम पर है। हमने उनमें मसीह की छाप नहीं डाली।

भविष्य में, हम मसीहियों को हमारे जीवनों पर परमेश्वर की सच्ची बुलाहट को समझना है, हमारे प्रार्थना जीवन में उत्तम उदाहरण प्रस्तुत करना है, बुद्धिमानी और दया के कार्य करना है, ताकि, जो

हमें देखते हैं, वे भी वैसा ही करें और परमेश्वर का भय रखें। परमेश्वर हमारे सेवक, स्कूलों और कॉलेज के अध्यापकों को आगे आकर सच्चा मसीही जीवन जीना है जो हमारे जीवन के सभी क्षेत्रों में हमारे प्रभु यीशु मसीह को दिखाए तभी हम सब प्रकार के बंधनों से लोगों के सच्चे छुटकारे की अपेक्षा कर सकते हैं।

"...तुम सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा" - यूहन्ना ८:३२

एको ऑफ हिज़ कॉल का परिवार इस बात को अपने हृदय से स्वीकार करे और अपनी प्रार्थनाओं में याद रखें।

मसीह यीशु में आपके सेवक,

पास्टर एस. सैम सिल्वा राज और एलेक्स सैमसन सैम
(+91) 98412 71858 / 98410 71858
E.mail : samselvaraj333@gmail.com

पृष्ठ 1 से आगे...

उसने यह अपने चेलों को बताया था। परंतु उस समय उन्होंने उसकी बात को गंभीरता से नहीं लिया। क्योंकि उसके अपने स्वामी के प्रति उनके प्रेम ने उनकी आंखों को और मनों को अंधा बना दिया था।

जिस व्यक्ति को मृत्युदंड मिलता था उसके साथ जानवर से भी बदतर व्यवहार किया जाता था। कोई भी उनकी परवाह नहीं करता था। सूली पर चढ़ाए जाने से पहले, दंडित अपराधी के खुले बदन पर चमड़े के कोड़ों से निर्दयता के साथ पीटा जाता था। इन कोड़ों में किनारे पर तीन या चार जगहों पर हड्डियों के टूटे हुए टुकड़े या लोहे के तारों के टुकड़े लगे होते थे। वे पीठ पर एक ही वार से ३९ घाव करते थे और उन्हें दोहराया जा सकता था। वे अपराधी को लगभग बेजान कर देते थे। यीशु की गलती न होते हुए भी उसे यही सज़ा दी गई थी। रोमी सुबेदार पिलातुस ने घोषित किया, "मुझे इसमें कोई दोष दिखाई नहीं देता।" परंतु शास्त्रियों और कठोर यहूदियों ने उसकी मौत की मांग की और यीशु पर वह सज़ा लाद दी। उन्होंने निर्दोष लहू बहाया! भजन के लेखक ने वर्षों पहले भविष्यद्वाणी की, **"हलवाहों ने मेरी पीठ के ऊपर हल चलाया, और लम्बी लम्बी रेखाएँ कीं"** (भजन १२९:३)।

यीशु को क्रूस पर चढ़ाया गया था!

सामान्य तौर पर क्रूस पर चढ़ाए जाने का स्थान शहर/नगर के बाहर होता था। अपराधी को लकड़ी का क्रूस उठाकर उस स्थान पर लाना पड़ता था। अपराधी का अपराध पटरी पर लिखा जाता था और उसे गले में टांगा जाता था ताकि दूसरे उसे देख सके। सिपाही इतने निर्दयी होते थे कि एक छोटी लंगोट के अलावा उसके बाकी सारे वस्त्र उतार दिए जाते थे। उन्हें दिन की भयानक गर्मी और रात की ठंड सहना पड़ता था। अपराधी की पीठ हल चलाए हुए खेत के समान हो जाती थी।

क्रूसीकरण के स्थान पर, अपराधी से कहा जाता था कि वह लकड़ी के क्रूस पर लेट जाए, उसके दोनों हाथ फैले होते थे और उसके पैर एक दूसरे पर रखे जाते थे। उसके बाद उसके हाथों और पैरों को या तो किलो से ठोक दिया जाता था या बांध दिया जाता था। यीशु को शुक्रवार के दिन क्रूस पर चढ़ाया गया था। क्रूस को एक गड्ढे में ठोक दिया जाता था और रस्सी की सहायता से सीधा खड़ा कर दिया जाता था। किलो से ठोक दिया गया या बांधा गया व्यक्ति आकाश पृथ्वी के नीचे लटका रहता था। शनिवार का दिन यहूदियों के लिए सब्त का दिन था, इसलिए उस दिन वे किसी भी शरीर को क्रूस पर लटका हुआ नहीं रख सकते थे। यदि अपराधी शुक्रवार को ही मर जाता, तो उसके हाथ और पैर तोड़ दिए जाते या यदि उसके शरीर में जान होती तो सिपाही उसके हाथ और पैर तोड़ देते, उसके दर्द को बढ़ाते और उसकी मौत शीघ्र लाने की कोशिश करते। कुछ लोग कई दिनों पर क्रूस पर लटके रहते, पागल हो जाते या बहुत रोते थे और उसके बाद पूर्ण बेचैनी की अवस्था में अपने प्राण त्याग देते थे।

यहां पर यीशु ने शुक्रवार के दिन ही ६ घंटे क्रूस पर लटकने के बाद अपना प्राण त्याग दिया। उसे ९वें घंटे क्रूस पर चढ़ाया गया था और उसने १२:०० बजे पाप श्राप और रोग का प्याला पी लिया और आज दोपहर ३:०० बजे अपना प्राण त्याग दिया। इसलिए उसके पैरों को तोड़ा नहीं गया। एक सिपाही ने संदेह से यीशु के शरीर में अपने वाले से त्वचा और उसकी मृत्यु की पुष्टि की क्योंकि उसकी पसली से लहू और पानी बह निकला!

यीशु मसीह ने क्रूस पर सात वचन कहे, जो निम्नानुसार हैं :

१. हे पिता, इन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये जानते नहीं कि क्या कर रहे हैं (लूका २३:३४)।
२. मैं तुझ से सच कहता हूँ कि "आज ही तू मेरे साथ स्वर्गलोक में होगा" (लूका २३:४३)।
३. यीशु ने अपनी माता से कहा, "हे नारी, देख, यह तेरा पुत्र है।" तब उसने चेले से कहा, "यह तेरी माता है" (यूहन्ना १९:२६,२७)।
४. "एली, एली, लमा शबक्तनी? अर्थात् हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया?" (मत्ती २७:४६)।
५. इसके बाद यीशु ने यह जानकर कि अब सब कुछ पूरा हो चुका, इसलिये कि पवित्रशास्त्र में जो कहा गया वह पूरा हो, कहा, "मैं प्यासा हूँ" (यूहन्ना १९:२८)।
६. जब यीशु ने वह सिरका लिया, तो कहा, "पूरा हुआ" (यूहन्ना १९:३०)।
७. और यीशु ने बड़े शब्द से पुकार कर कहा, हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ (लूका २३:४६)।

यीशु ने अपने जीवन को व्यर्थ नहीं फेंका!

यीशु इस संसार में "बलिदान" के रूप में एक निष्पाप मेम्ने के रूप में आया।

क्योंकि यह सम्भव नहीं है कि बैलों और बकरों का लहू पापों को उठा ले जाए। इसलिए, जब वह संसार में आया, तब उसने कहा :

"बलिदान और भेंट तू ने न चाही, पर मेरे लिये एक देह तैयार की। होमबलियों और पापबलियों से तू प्रसन्न नहीं हुआ। तब मैं ने कहा, 'देख, मैं आ गया हूँ, पवित्रशास्त्र में मेरे विषय में लिखा हुआ है, ताकि हे परमेश्वर, तेरी इच्छा पूरी करूँ'"

(इब्रानियों १०:४-७)।

इसलिए, बलिदान के रूप में यीशु की मृत्यु पहले से तय थी! बाइबल कहती है, **"परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नाश न हो, परंतु अनंत जीवन पाए"** (यूहन्ना ३:१६)। यीशु ने खुद कहा,

"और जिस रीति से मूसा ने जंगल में साँप को ऊँचे पर चढ़ाया, उसी रीति से अवश्य है कि मनुष्य का पुत्र भी ऊँचे पर चढ़ाया जाए; ताकि जो कोई उस पर विश्ध्वास करे वह अनन्त जीवन पाए" (यूहन्ना ३:१४,१५)।

यीशु का पुनरुत्थान!

यीशु शुक्रवार की दोपहर क्रूस पर मर गया। परंतु वह तीसरे दिन, रविवार की सुबह मरे हुओं में से जी उठा! मौत उसे रोककर न रख सकी। उसके अपने शब्दों में, उसने कहा :

"मैं मर गया था, और अब देख मैं युगानुयुग जीवता हूँ; और मृत्यु और अधोलोक की कुंजियाँ मेरे ही पास हैं" (प्रकाशित. १:१८)।

यीशु की मृत्यु और पुनरुत्थान से पहले, धर्मी मृतक अधोलोक की ऊपरी कोठरी में विश्राम कर रहे थे (यशायाह ५७:२) जहां दुष्टों के प्राण निचले कक्ष में थे जहां कभी न बुझने वाली आग और गंधक था। धर्मी मृतक मृतकों को भले ही कोई दुख नहीं था, फिर भी वे नीचे पड़े हुए दुष्ट मृतकों का रोना और चिल्लाना सुन सकते थे। यीशु के आत्मा ने अधोलोक में प्रवेश किया, विश्राम कर रहे धर्मियों को सुसमाचार सुनाया, और वह उन्हें तीसरे स्वर्ग अर्थात सुखलोक ले आया! (२ कुरिन्थियों १२:२-४; इफिसियों ४:८,९; भजन ६८:१८)। यीशु ने धर्मी मृतकों को (हाबेल से लेकर यूहन्ना बपतिस्मा करने वाले को) उनके काम के लिए प्रतिष्ठा और मान्यता प्रदान की। हमें आदम का न्याय नहीं करना है। परमेश्वर द्वारा चुने गए प्रथम मनुष्य के नाते, पतीत आदम को सर्वशक्तिमान परमेश्वर की ओर से अनुग्रह प्राप्त हो सकता है।

यीशु दूसरे सहायक को भेजता है!

पुनरुत्थित यीशु मसीह जो स्वर्ग में परमेश्वर के दाहिने हाथ पर विराजमान है, उसने पवित्र आत्मा को, सहायक को भेज दिया है, जैसा कि हम प्रे. काम २:१ में देखते हैं। अब, यीशु मरा हुआ नहीं है, वह जीवित है और वह हमारे मध्य वास करता है! बाइबल कहती है प्रभु परमेश्वर जिसने अपने निज पुत्र को दिया, वह अन्य सारी बातों को हमें क्यों कर न देगा?

"जिसने अपने निज पुत्र को भी न रख छोड़ा, परन्तु उसे हम सब के लिये दे दिया, वह उसके साथ हमें और सब कुछ क्यों न देगा?" (रोमियों ८:३२)।

पौलुस का अनुभव क्या है?

पौलुस परमेश्वर के लोगों का विद्रोही था। वह बिन्यामीन के गोत्र से था। उसने व्यवस्था का अध्ययन किया था। वह फरीसी था। व्यवस्था के अनुसार उसे सताया नहीं जा सकता था। परंतु दमिश्क के मार्ग पर अपने मित्रों के साथ, महायाजक की ओर से दमिश्क में रहने वाले मसीहियों को सताने के लिए वह चिट्ठी लेकर जा रहा था, कि अचानक एक तेज़ रोशनी चमक उठी। वह देख नहीं सकता था, लेकिन प्रभु यीशु ने उससे बात की उसने कहा, **"हे शाऊल, हे शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है?"** उसने पूछा, **"हे प्रभु, तू कौन है?"** उसने कहा, **"मैं यीशु हूँ, जिसे तू सताता है। परन्तु अब उठकर नगर में जा, और जो तुझे करना है वह तुझ से कहा जाएगा"** (प्रे. काम ९:४-६)। वहां हनन्याह विश्वासी नाम के एक विश्वासी से उसकी मुलाकात हुई और उसने उसके लिए प्रार्थना की। उसे फिर से दृष्टि प्राप्त हुई। प्रभु ने उस विद्रोही को चुन लिया ताकि वह राजाओं और अन्यजातियों को सुसमाचार सुनाए। फिर वह यीशु मसीह का मुख्य चेला बन गया और उसने उसे सुसमाचार के प्रचार के लिए मरने के लिए भी तैयार कर दिया। प्रभु सभी लोगों को उसकी सेवा करने के लिए बुलाता है। उसने अपनी अंतिम सांस तक परमेश्वर की सेवा की।

एक व्यक्ति क्या कर सकता है?

पौलुस अपने खुद के अनुभव को बताता है।

"मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ, अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझ में जीवित है" (गलातियों २:२०)। सरल शब्दों में, वह मसीह के साथ मर गया और अब जो व्यक्ति उसमें जीवित

पृष्ठ 6 में क्रमश...

नहेम्याह बाइबल कॉलेज
रेसिडेन्शल कॉलेज, चेन्नई।

माध्यमः हिन्दी

सदस्यता के लिए पंजीकृत उम्मीदवार - ATA

सुविख्यात अंतर्राष्ट्रीय मसीही अगुवे तथा पिछले 53 वर्षों से सेवारत वरिष्ठ पासवान

सर्टिफिकेट इन थियोलॉजी – 1 साल

योग्यता 10 वी या अधिक

जल्दी करें!

Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.

10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org

★ ऑनलाइन कक्षाएं उपलब्ध हैं ★

महान आदेश के भागी

✵ **धार उठना** (गलातियों ६:२), ✵ **सहायता करना** (रोमियों १२:१३) **और** ✵ **चमकना** (२ तीमुथियुस १:६)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

१६ अप्रैल २०२२ से १८ मई २०२२ तक

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

अप्रैल १६ १७ अप्रैल को हुई हमारी ईस्टर आराधना को परमेश्वर के आशीष दी।

अप्रैल २० : परमेश्वर ने अनपहुंचे स्थानों में सुसमाचार लेकर पहुंचने में हमारी सहायता की।

अप्रैल २१ : परमेश्वर ने हमारे एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों की सभी गतिविधियों को आशीषित किया।

अप्रैल २२ : हमारे सारे सहायक सम्पादकों और उनके परिवारों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

अप्रैल २३ : परमेश्वर ने हमारे मुख्य गिरजाघर में पुरुषों की सभा को आशीष दी।

अप्रैल २४ : परमेश्वर ने १६ भाषाओं में प्रकाशित हमारे **एको ऑफ हिज़ कॉल** सुसमाचार साहित्य को आशिषित किया जो हमारे गॉस्पल प्रिंटिंग प्रेस में छपकर मिशन क्षेत्रों में भेजे जा रहे हैं।

अप्रैल २५ : मारे मुख्य गिरजाघर और शाखा कलीसियाओं परमेश्वर ने नए लोगों को भेजकर आशीषित किया।

अप्रैल २६ : हमारे सहायकों, उनकी प्रार्थनाओं और उनकी सहायता के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

अप्रैल २७ : राज्य समन्वयकों तथा उनकी सहभागिता के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

अप्रैल २८ : परमेश्वर ने हमारे मुख्य गिरजाघर में महिलाओं की सभा को आशीष दी।

अप्रैल २६ : हिंदी ऑनलाईन पत्राचार पाठ्यक्रमों पर परमेश्वर की आशीष के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

अप्रैल ३० : हमारे **सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल, नहेम्याह बाइबल कॉलेज, ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रमों** के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

मई १ : मिशन कार्यकर्ताओं के बड़े समर्पण के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

मई २ : पास्टर एस. सैम सेल्व राज तथा उनके परिवार के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

मई ३ : : करोना संक्रमण से **एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई** के कर्मचारियों की रक्षा करने के लिए परमेश्वर का धन्यवाद हो।

प्रार्थना विषय

मई ४ : प्रार्थना करें कि रशिया और यूक्रेन के मध्य हो रहा युद्ध समाप्त हो और समस्त संसार में शांति हो।

मई ५ : प्रार्थना करें कि प्रभु इस माह **एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों** के लिए आवश्यक धनराशि प्रदान करे।

मई ६ : सभी मसीही संस्थाओं के लिए प्रार्थना करें।

मई ७ : परमेश्वर हमारे समन्वयकों और पासवानों को और बल दे।

मई ८ : परमेश्वर हमारे **एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई** में और समर्पित कार्यकर्ताओं को लाए।

मई ६ : महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा के निर्मूलनके लिए प्रार्थना करें।

मई १० : परमेश्वर से प्रार्थना करें संसार के सभी देशों से कोविड-१६ को पूरी तरह हटा दे।

मई ११ : हमारे मिशन क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के लिए प्रार्थना करें।

मई १२ : हमारे प्रार्थना सहभागियों, शुल्क सहभागियों, विश्वास सहभागियों, आजीवन सहभागियों और महान आदेश सहभागियों तथा उनके परिवार के सदस्यों के लिए प्रार्थना करें।

मई १३ : जिन परिवारों ने करोना महामारी में अपने प्रियजनों को खोया उनके लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें।

मई १४ : प्रार्थना करें कि हमारे प्रिय भाई अंग्रेज़ी मासिक के सहायक सम्पादक एम. पौल राज पूरी रीति से चंगे हों।

मई १५ : हमारे वरिष्ठ पासबान द्वारा उनके आत्मचरित्र के लेखन में सफलता के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें।

मई १६ : समस्त संसार पर शांति के लिए प्रार्थना करें।

मई १७ : मुख्य गिरजाघर और शाखा कलीसियाओं के विश्वासियों, अगुवों और प्रार्थना योद्धाओं के लिए प्रार्थना करें।

मई १८ : हमारे वरिष्ठ पासवान एस सैम सेल्वाराज और उनके परिवार के सदस्यों को सारी बुरी शक्तियों से सुरक्षा मिलने और उनके सुरक्षित जीवन के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें।

पृष्ठ 4 से आगे...

है, वह मसीह है।

यह परमेश्वर की इच्छा है कि सब मसीह के निकट आए, उद्धार का सबसे बड़ा वरदान प्राप्त करे और उसके लिए जीए और परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करे। पौलुस हर एक को बिनती करता है :

"इसलिये हे भाइयो, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिला कर विनती करता हूँ कि अपने शरीरों को जीवित, और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ। यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है" (रोमियों १२:१)।

"इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारे मन के नए हो जाने से तुम्हारा चालदृचलन भी बदलता जाए, जिससे तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो।" (रोमियों १२:२)। प्रभु हर एक की ओर से समर्पित जीवन चाहता है कि उसके साथ जिए और दूसरे आगमन में, जब हम परमेश्वर की तुरही सुनेंगे, तो हम परिवर्तन का अनुभव प्राप्त करे, स्वर्ग पर चढ़ जाएं और प्रभु यीशु से बीच आकाश में बादलों पर मिलें, यीशु की पुनरुत्थान की सामर्थ से फिर जिलाए जाएं और स्वर्ग के फाटकों में प्रवेश करें, और सर्वशक्तिमान परमेश्वर पिता से मिलें, जो उसके सिंहासन पर विराजमान है (भजन ११:४)।

संसार कहां जाता है?

शैतान के छल पूर्ण तरीकों से संसारिक लोग शैतान से आकर्षित हो जाते हैं और उन्हें संसार के सुखविलासों की ओर आकर्षित करता है, उनकी शांति छीन लेता है, उन्हें पागल देता है और उन्हें संसार में खदेड़ देता है। संसार अब उसके दिखावे पर उन्नति पाता है! वे यह एहसास नहीं हुआ कि मौत का फंदा उन पर कसा हुआ है! वे परमेश्वर के वचन पर शायद ही ध्यान देते हैं। क्रूस की शिक्षाएं उनके लिए शाप हैं। वे अपने बारे में और संसार के बारे में बहुत बड़ाई करते हैं। वे अपने महलनुमा घरों पर, नाव जैसी कारों पर, उनकी सम्पन्नता पर, बैंक बचत, पत्नी और बच्चों आदि पर घमंड करते हैं। कोविड १९ महामारी ने कुछ ही समय में कइयों को मिटा दिया। लोग ऑक्सिजन सिलेंडर के लिए यहां-वहां दौड़ लगा रहे थे। कई उसके बिना मर गए। संसार के कई भागों में बादल फटने से आफत आ गई। हाल ही यूरोपियन देशों में और चीन में बारिश के हज़ार वर्षों के रिकार्ड को तोड़ दिया! ज़मीन खिसकना, ज्वालामुखी, भूकम्प आदि बातें लोगों के जीवन को मुश्किल बना देते हैं। फिर भी वे अपने आपको नम्र नहीं बनाते और अपनी सम्पत्तियों के बारे में घमण्ड करना नहीं रोकते! बाइबल कहती है :

"यहोवा यों कहता है: बुद्धिमान अपनी बुद्धि पर घमण्ड न करे, न वीर अपनी वीरता पर, न धनी अपने धन पर घमण्ड करे; परन्तु जो घमण्ड करे वह इसी बात पर घमण्ड करे, कि वह मुझे जानता और समझता है, कि मैं ही वह यहोवा हूँ जो पृथ्वी पर करुणा, न्याय और धर्म के काम करता है;

क्योंकि मैं इन्हीं बातों से प्रसन्न रहता हूँ" (यिर्मयाह ९:२३,२४)।

पृथ्वी पर, प्रभु खुद करूणा, न्याय और पृथ्वी पर धर्म के काम करता है। प्रभु परमश्रेष्ठ है। और पृथ्वी या स्वर्ग में ऐसी कोई सामर्थ नहीं है जो प्रभु यीशु मसीह से श्रेष्ठ हो जिसने आकाश और पृथ्वी को बनाया। जिस कारण संत पौलुस कहता है :

"पर ऐसा न हो कि मैं अन्य किसी बात का घमण्ड करूँ, केवल हमारे प्रभु यीशु मसीह के क्रूस का, जिसके द्वारा संसार मेरी दृष्टि में और मैं संसार की दृष्टि में क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ" (गलातियों ६:१४)।

पौलुस के लिए, संसार खुला नहीं है, परंतु वह क्रूस पर चढ़ाया और प्रतिबन्धित है। वह भी संसार के लिए वैसा ही है। संसार उसका इस्तेमाल मनमानी ढंग से नहीं कर सकता, परंतु क्रूस पर चढ़ाया है! परमेश्वर के एक जन ने तमिल भाषा में इस प्रकार एक गीत रचा, "मेनमाई परत्तुवेन"।

मैं उसके नाम को ऊंचा उठाऊँगा।
मैं उसके नाम को ऊंचा उठाऊँगा।
मैं केवल यीशु के प्रेम का ऊँचा उठाऊँगा!

क्रूस मेरा सींग है, क्रूस मेरा शरणस्थान,
यीशु आपकी स्तुति हो, आपकी

नहेम्याह बाइबल कॉलेज
EVENING COLLEGE

Chepauk & Santhoshapuram, Chennai.

माध्यमः तमिल

सदस्यता के लिए पंजीकृत उम्मीदवार - ATA

सुविख्यात अंतर्राष्ट्रीय मसीही अगुवे तथा पिछले 53 वर्षों से सेवारत वरिष्ठ पासवान

सर्टिफिकेट इन थियोलॉजी – 1 साल

योग्यता 10 वी या अधिक
जल्दी करें!

Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, BELLS ROAD, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org

स्तुति हो।

कलवरी के यीशु की स्तुति हो!

मैं क्रूस पर चढ़ाया गया था, मैं क्रूस पर चढ़ाया गया था,

मैं नहीं, परंतु यीशु

मैं उसमें दिखाई दूँगा!

मैं क्रूस उठाऊँगा, मैं क्रूस उठाऊँगा,

मैं दुख उठाऊँगा

यीशु की महिमा के लिए!

प्रत्येक मसीह का यही गीत होना चाहिए!

हमारा परमेश्वर त्रिएक परमेश्वर है। वह मसीह के समान, प्रभु के दूत के समान, अर्थात आशीष और सुरक्षा प्रभु के समान प्रगट होता है; वह परमेश्वर के रूप में, कार्य करने वाले प्रभु के रूप में; और उस प्रभु परमेश्वर के रूप में प्रगट होता है जो सबकुछ देता है। उसके पास दूसरा प्रगटीकरण भी है, सनातन काल का परमेश्वर, अर्थात, जो सृष्टि के पहले, सृष्टि के दौरान और सृष्टि के बाद भी उपस्थित है जिस कारण हमारा परमेश्वर अद्‌भुत परमेश्वर है!

संत पौलुस प्रभु को और जानना चाहता है। वह मसीह के रूप में यीशु के मात्र ज्ञान से संतुष्ट नहीं था। खुद यीशु ने कहा, **"और अनन्त जीवन यह है कि वे तुझ एकमात्र सच्चे परमेश्वर को और यीशु मसीह को, जिसे तू ने भेजा है, जानें"** (यूहन्ना १७:३)।

मसीह की उसकी खोज में, पौलुस कहता है कि जिन बातों को वह पहले अपने लाभ की समझता था; अर्थात उसके पुरखा, सम्पन्नता, व्यवस्था का ज्ञान, रोमी नागरिकता, आदि उन सारी बातों को वह मसीह के लिए हानि समझता है। मसीह के ज्ञान की श्रेष्ठता के लिए, उसने सारी बातों को हानि समझा। वह उसे और उसके पुनरुत्थान की सामर्थ को और उसके क्लेश की सहभागिता को जानना चाहता है, और उसकी मृत्यु की समानता में हो लेना चाहता है। (फिलिप्पियों ३:७,१०,११)

फादर बर्चमैन्स गाते हैं :

हे मेरे राजा आपकी उपस्थिति काफी है,
हमेशा मेरे लिए काफी है,
आपकी उपस्थिति, आपकी उपस्थिति
आपकी धर्मी उपस्थिति!
फिर भी मैं आपकी उपस्थिति और जानता हूं,
फिर भी मैं आपके करीब आता हूं!

यीशु बुलाता है!

"हे सब परिश्रम करनेवालो और बोझ से दबे हुए लोगो, मेरे पास आओ; मैं तुम्हें विश्राम दूँगा" (मत्ती ११:२८)।

यह बुलाहट केवल उसके अपने लोगों के लिए, यहूदियों के लिए नहीं है, परंतु पूरे संसार के लिए है, चाहे वे किसी भी राष्ट्र, जाति, या भाषा के हों। यीशु ने कहा, **"मैं जिन जिन से प्रेम करता हूँ, उन सब को उलाहना और ताड़ना देता हूँ; इसलिये सरगर्म हो और मन फिरा। देख, मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूँ; यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा, तो मैं उसके पास भीतर आकर उसके साथ भोजन करूँगा और वह मेरे साथ"** (प्रकाशित. ३:१६,२०)।

बाइबल कहती है, **"और वही हमारे पापों का प्रायश्चित है, और केवल हमारे ही नहीं वरन् सारे जगत के पापों का भी"** (१ यूहन्ना २:२)। यीशु ने जगत के उद्धार के लिए क्रूस को गले से लगाया। प्रभु उसके राज्य को पहले भाग के लोगों से भर देना चाहता था, अर्थात आदम से यीशु मसीह तक! उसके पास संसार में राजाओं के राजा के रूप में उसके हज़ार वर्ष के राज्य के द्वारा दूसरे भाग के लिए योजनाएं थीं! तब वह दूसरी बार नहीं मरता क्योंकि निवासी वे हैं जो यहूदियों के बारह गोत्रों से चुने गए हैं जिनके माथे पर महाक्लेश के दौरान स्वर्गदूतों द्वारा मुहर लगाई गई।

अब अनुग्रह और दया क्रूस से बहती है! प्राचीन काल में लोगों ने वाचा के सन्दूक से अनुग्रह पाया जो महापवित्र स्थान में लम्बे परदे के पीछे रखा गया था। परंतु अब यीशु का क्रूस है! जो लोग क्रूस की ओर देखते हैं वे अपने लिए मर जाते हैं और मसीह के लिए जीते हैं। जो जीते हैं, मसीह के लिए जीते हैं और परमेश्वर के राज्य के वारिस हैं।

चेलों को बुलाहट

चेलों को दी गई बुलाहट विश्वासियों को दी गई बुलाहट से अलग है। चेलों की बुलाहट में और बड़ा क्लेश तथा बलिदान शामिल है। खुद का, परिवार और घर का त्याग करना सभों के लिए आसान नहीं है। परंतु जो ऐसी संसारिक बातों का त्याग करते हैं और यीशु का अनुसरण करते हैं, वह बड़ी बात है! उन्हें और बड़ा सन्मान मिलेगा! उसके चेलों ने ऐसी बुलाहट स्वीकार की और वे प्रेरित बन गए। आज कई लोग अपने आपको प्रेरित बुलाते हैं, परंतु उनके पास बलिदान, क्लीसिया रोपण आदि का कोई इतिहास नहीं है।

यीशु ने कहा, **"उसने भीड़ को अपने चेलों समेत पास बुलाकर उनसे कहा, "जो कोई मेरे पीछे आना चाहे, वह अपने आपे से इन्कार करे और अपना क्रूस उठाकर, मेरे पीछे हो ले"** (मरकुस ८:३४)। पतरस ने कहा, "देखो, हमने सबकुछ छोड़ दिया और आपके पीछे हो लिए हैं।" यीशु ने उत्तर देकर कहा, "मैं तुम से सच कहता हूँ कि ऐसा कोई नहीं, जिसने मेरे और सुसमाचार के लिये घर या भाइयों या बहिनों या माता या पिता या बाल-बच्चों या खेतों को छोड़ दिया हो, और अब इस समय सौ गुणा न पाए, घरों और भाइयों और बहिनों और माताओं और बाल-बच्चों और खेतों को, पर सताव के साथ और परलोक में अनन्त जीवन।" (मरकुस १०:२८-३०)। जो प्रभु के लिए देते हैं वे कभी कंगाल नहीं रहते! और प्रभु ने फिर पतरस से कहा, "" (मत्ती १६:२७-२८)।

क्रूस अनुयायी के लिए इतनी आशीषें ले आता है। परंतु क्रूस की शिक्षा कइयों को पागलपन लगती है। वे शैतान की चंगुल में फंसे हैं और विनाश की ओर बढ़ रहे हैं। परंतु प्रत्येक मसीही जिसने मसीह के प्रेम को चखा है और क्रूस की महानता को संजोता है, उसे कूच कर रहे लोगों को बुलाना है और मसीह के प्रेम के अधीन लाना है ताकि वे भी अपने आप को बचा सकें। आज हज़ारों मसीह के प्रेम और क्रूस की महानता के अधीन आ रहे हैं! हमारे लिए, क्रूस की शिक्षा मसीह की सामर्थ है! आमेन!!

****

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती 24:15

परमेश्वर द्वारा दी गई उत्तम परिस्थितियां

कन्नातुवलई नामक छोटे से कस्बे की सरकारी पाठशाला में अपनी प्राथमिक स्कूल की शिक्षा पूरी होने के बाद, मेरे माता-पिता ने मुझे एक मसीही मिढल स्कूल , नेय्यूर के हॅकर मेमोरियल अपर प्रायमरी स्कूल में दाखिला दिलाया। उनका उद्देश्य था कि मेरी परवरिश आत्मिक तौर पर हो।

कन्नातूविलई की सरकारी पाठशाला

हैकर मेमोरियल अपर प्रायमरी स्कूल

गवरमेंट हायस्कूल, इरानियाल

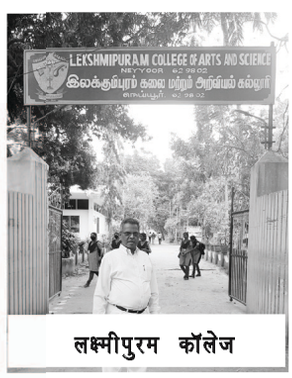

लक्ष्मीपुरम कॉलेज

पहली बार छठी कक्षा में मुझे अंग्रेजी सिखाया गया। यह नेय्यूर के छोटे गांव में थी जो मेरे घर से ५ किलोमीटर की दूरी पर थी। मेरे माता पिता ने मुझे रोज १० किलोमीटर पैदल जाना और आना सिखाया। मैं उस स्कूल के अध्यापकों के प्रेम, बुद्धि, समर्पण और बलिदान के प्रति आकर्षित हुआ। फिर मैंने इरानिएल के गवर्नमेंट हाईस्कूल में अध्ययन किया और नेय्यूर के लक्ष्मीपुरम कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड साइंस में मेरी कॉलेज की शिक्षा पूरी हुई।

मिसेस स्टेला हेफसिबा, मिसेस ॲनाबाई मोज़ेस और मिसेस जे. सरोजा थन्गवाडिवू (बाएं से दाहिने)

मि. सी. देवदास के सेवावकाश पर ली गई तस्वीर (बैठे हुए : दाए से बाए की ओर चौथा व्यक्ति)

रेव्ह. केसरी, मिस्टर मुथैया प्रधानाचार्य, मिस्टर सी. देवदास, मिस्टर सुंदर राज और अध्यापिकाएं मिसेस स्टेल्ला हेफसिबा चेल्लप्पा, मिसेस बी. ॲनाबाई मोज़ेस, मिसेज जे सरोजा थन्गवाडिवू, मिसेज स्टेला हेफसिबा चेल्लप्पा और मिसेस जे सरोजा थन्गवाडिवू ने मेरे जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और मुझे ऊंचा उठाया और प्रेरित किया।

अध्यापकों द्वारा मुझे दिखाया गया ईश्वरीय प्रेम और चिंता मुझे जीवित परमेश्वर, यीशु मसीह की ओर ले गया। उन्होंने मुझे यह भी सिखाया कि दीन और दलित लोगों से तथा निर्बल लोगों से कैसे प्रेम करना चाहिए। बाइबल से कई गहरे रहस्य भी मुझे स्कूल में मेरे अध्यापकों द्वारा सिखाए गए। मैंने बाइबल के निम्नलिखित अध्याय कंठस्थ कर लिए : भजन १,२,२३,९१,१२१,१३६; १ कुरिन्थियों १३ अध्याय, मत्ती अध्याय ४,५,६ भी मैंने मेरी छोटी उम्र में याद कर लिए। मैंने परिश्रम, ईमानदारी, और स्पष्ट बोलने के महत्व को भी सीखा। इन अनुभवों ने मुझे **सेंट पॉल्स मैट्रिक्यूलेशन स्कूल** शुरू करने और चलाने में सहायता की। मेरे कक्षा मित्र भाई बी. इम्मानुएल मनोहरन, रेव्ह. सैम येशूदास, भाई चार्ल्स पर्न

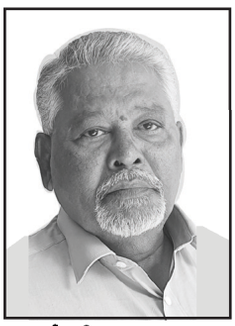

भाई बी. इम्मानुएल मनोहरन

भाई जी. जयनन्दा पॉलमणि

बेन्टली, भाई हम्फ्री विनिस्टर, भाई थंगरासल, भाई हैरिसन फेस्टस जोएल, भाई रवि देवदानम, भाई डी.डी. राजन, भाई ऑडसन मोहन, रेव्ह. डॉ. ए. सिल्वा राज, भाई जी. जयनंदा पॉलमणि मेरे आत्मिक मित्र थे। वे अब हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रमुख सेवक हैं, लेकिन उनमें से दो, भाई हैरिसन फेस्टस जोएल और भाई जी. जयनंदा पॉलमणि अब प्रभु के साथ हैं।

इस प्रकार प्रभु परमेश्वर ने धीरे धीरे एक मज़बूत बुनियाद डाली ताकि मैं परमेश्वर के जन के रूप में आगे आ सकूं जो प्रभु की सेवा और आत्मिकता की गहराई पसंद कर सका। ■ ■ ■

नहेम्याह बाइबल कॉलेज से समाचार

पिछले कुछ वर्षों में कोविड-१६ महामारी की वजह से हमारी सेवकाईयां आर्थिक रूप से अत्याधिक प्रभावित हुई हैं। परमेश्वर के अनुगह से, हम सभी मुश्किल परिस्थितियों पर जय पाने की कोशिश कर रहे हैं।

एशियन थियोलॉजिकल असोसिएशन (ए.टी.ए.) द्वारा निर्धारित मानक के अनुसार हमारे पास विद्यार्थियों के प्रतिदिन के उपयोग के लिए कम से कम ८००० किताबों का वाचनालय होना चाहिए। हमारे पास पहले से २००० पुस्तकें थीं। हमारे पास बाकी किताबें खरीदने के लिए और उन्हें व्यवस्थित रखने के लिए कोई साधन नहीं था। परंतु हम लम्बे समय से इस ज़रूरत के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

हमारी प्रार्थनाओं के उत्तर स्वरूप हमारे मित्रों में से एक ने हमें करीब ४००० किताबें भेंट दी। बड़े प्रयास से, हम परमेश्वर के अनुग्रह से स्टील की १८ शेल्व्ज़ खरीद सके और उन्हें सुरक्षित तथा व्यवस्थित रख सके।

अब, हमें उनके नाम और इन किताबों की जानकारियां कम्प्युटर में अपलोड करना है और उन्हें सम्भालकर रखना है, जिसके लिए काफी आर्थिक खर्च और परिश्रम की ज़रूरत है। पहले ही हमारे नहेम्याह बाइबल कॉलेज फैक्लटी सदस्यों, पास्टरों, और कार्यकर्ताओं की सहायता करने, छपाई कागज़ों का खर्च, छापखाने से सम्बंधित साहित्य की कीमत, यात्रा खर्च आदि से सम्बंधित मासिक खर्च का व्यवस्थापन करना हमें मुश्किल होता है। हम ऐसी चीज़ों के लिए अपनी ज़रूरतों को उजागर नहीं करते। परंतु बड़े विश्वास के उपयोग के द्वारा और प्रार्थना तथा बड़े प्रयासों से हम हर महीने बहुत निवेश कर पाए। इस समय, इन किताबों के विषय में कम्प्युटर में लिखने और किताबों का रखरखाव और नहेम्याह बाइबल कॉलेज के विद्यार्थियों के उपयोग के लिए उन्हें लाना आदि बातों के लिए हमारे पास निम्नलिखित अत्यावश्यकताएं हैं :

१. दो कम्प्युटर हर एक की कीमत ५५०००	१,१०,००० रूपये
२. कम्प्युटरों के लिए सॉफ्टवेयर	२०,००० रूपये
३. किताबों को अपलोड करने और आवश्यक जानकारी लिखने के लिए	३०,००० रूपये
४. अन्य खर्च	१०,००० रूपये
कुल	**१,७०,००० रूपये**

इन आवश्यकताओं को पूरा करना हमें मुश्किल जा रहा है। कृपया इस आवश्यकता के लिए बोझ के साथ और सच्चाई के साथ प्रार्थना करें। यदि परमेश्वर आपके हृदय को प्रेरित करता है, तो आप कुछ रकम या उपर्युक्त ज़रूरतों में से कोई एक या पूरी कीमत देकर हमारी सहायता कर सकते हैं। हम यह इसलिए बता रहे हैं क्योंकि आप हमारे सहकर्मी हैं। कृपया हमें गलत न समझें। कृपया इस बिनती के लिए प्रार्थना करें।

हम भी आपके लिए प्रार्थना करते हैं। प्रभु यीशु मसीह आपको और बहुतायत से आशीष दे!

– सम्पादक

RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/21-23 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23

एको ऑफ हिज़ कॉल

यू ट्यूब

Please subscribe

कृपया आपके समय के अनुसार हमारा **एको ऑफ हिज़ कॉल यू ट्यूब चैनल** देखें और उसे सब्स्क्राईब करें। - धन्यवाद

OUR BANK DETAILS:

1. Bank : State Bank of India

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **S. Sam Selva Raj**
A/C No. : **1023 2934 679**
IFSC : **SBIN 00 00 249**
SWIFT CODE : **SBI NIN BB 455**

2. Bank : ICICI Bank

Branch : **Anna Salai, Chennai-6**
Name : **Echo of His Call**
A/C No. : **6038 0502 2319**
IFSC : **ICIC 000 6038**

3. Bank : State Bank of India

(This Account is for Tax Exemption for Indians only)

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **Echo of His Call Educational Trust**
A/C No. : **1023 2923 805**
IFSC : **SBIN 00 00 249**

Google Pay: 98410 71858
PayPal : SAM SELVA RAJ
*****
E.mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्कः रु. १००/- **आजीवन शुल्कः रु. २,०००/-**

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपॅल को(Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना **लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता** आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :

ECHO OF HIS CALL
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.com

YOU CAN SEND YOUR DONATIONS BY ONLINE ALSO

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/21-23
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS / 1 Patrika Channel"
on 9th APRIL, 2022
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from New No. 8 & 10, Old No. 18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by him at **Echo of His Call Printers**, New No. 8 & 10, Old No. 18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**